only 45%, that is, there has been a 55% reduction of water storage in these reservoirs in Karnataka.

The scarcity of rainfall has also resulted in the reduction of groundwater level. The groundwater level has decreased by 11%. As a result of this, 223 Talukas out of 236 have been declared as drought-prone. There is a very high possibility of drinking water scarcity in 600 village panchayats across the state. In Karnataka, 83 lakh hectares of land is cultivated every year. However, in the current year, only 74 lakh hectares of land is cultivated, out of which 48 lakh hectares of land has suffered crop loss due to severe scarcity of water for irrigation. There will be a severe shortage of fodder for livestock. It is extremely unfortunate, that around 456 farmers have committed suicide in this financial year. When the people of Karnataka are facing such serious problems, the Congress Government of Karnataka, instead of taking any effective measures, is pointing fingers at the Central Government. If we analyze the figures from 2006 to 2014, the Government led by Congress had allocated only 812 crore rupees to SDRF and 3,232 crore rupees to NDRF in Karnataka. The Central Government under the leadership of our Prime Minister Shri Narendra Modi ji, has increased SDRF allocation to 2,778 crore rupees and NDRF allocation to 12,542 crore rupees, and still, the Karnataka State Government is criticizing the Central Government.

The Congress party has failed terribly to keep up their election promises. The Karnataka Government has not taken any steps to resolve the severe shortage of water. The false assurance and total failure of the Congress Government has left the farmers helpless. The only hope that the people of Karnataka have is in the form of our Prime Minister Narendra Modi ji. I hereby request the Central Government to intervene and help us to tackle this severe problem of drought. Namaskar!"

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Shri Iranna Kadadi: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha) and Dr. Amar Patnaik (Odisha).

Demand to restore the operation of train between Narkatiaganj and Raxaul in Bihar

श्री सतीश चंद्र दूबे (बिहार): उपसभापति महोदय, नरकटियागंज से जयनगर वाया सिकटा-रक्सौल छोटी लाइन के समय में कमला-गंगा एक्सप्रेस, जानकी लिंक एक्सप्रेस और सात जोड़ी सवारी गाड़ियां चलती थीं, परिचालन होता था, लेकिन 2004 के बाद इन सभी रेलगाड़ियों को बंद कर दिया गया है, क्योंकि रेलवे द्वारा छोटी लाइन से बड़ी लाइन करने के लिए उसमें अमान्य

परिवर्तन हो रहा था। वह वर्ष 2018 में पूर्ण कर लिया गया है, लेकिन अभी तक यहां से नरकटियागंज से सिकटा होते हुए जयनगर, दरभंगा, रक्सौल के लिए जो गाड़ियां चलती थीं, उनको नहीं चलाया जा रहा है। पश्चिमी चंपारण, मेरे जन्म स्थल की जगह है और पूर्व में 2014 से 2019 तक मैं वहां से सांसद भी रहा हूं। वह नेपाल से सटा हुआ इलाका है और सुदूर ग्रामीण इलाका पड़ता है। वहां से लोगों को आने-जाने के लिए प्राइवेट बस, जीप और टैक्सी के सिवाय दूसरा कोई संसाधन नहीं है। वहां पर भाड़े में काफी इजाफा हो गया है, प्राइवेट गाड़ी वाले लोग काफी ज्यादा भाड़ा वसूल करते हैं। अतः आपसे आग्रह है कि सात जोड़ी ट्रेन्स जो पूर्व में चलती थीं, उनको पुनः चलाया जाए। अगर तत्काल चलाने में असुविधा हो रही है, तो एक मेमू ट्रेन नरकटियागंज से चलाई जाए, जो रक्सौल वाया सिकटा कम से कम दिन में तीन, चार, पांच बार अप एंड डाउन करे, जिससे तत्काल लोगों को सहायता मिल सके। महोदय, जन-मानस के काम के लिए ही सरकार होती है और रेलवे उसका बहुत बड़ा संसाधन होता है।

वहां पर आवागमन बाधित है, पब्लिक काफी परेशान है। वहां पर रेल लाइन का विद्युतीकरण भी हो गया है, बड़ी लाइन भी बन गई है, लेकिन अभी तक ट्रेन्स चालू नहीं हुई हैं, जिससे आम जनमानस में सरकार के प्रति उदासीनता है। महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि वहां पर कम से कम मेमू ट्रेन जल्दी से जल्दी चलाई जाए और पूर्व में जो सात जोड़ी ट्रेन्स चलाई जाती थीं, उनको चलाया जाए।

श्री उपसभापतिः धन्यवाद। श्री अनिल बलूनी जी।

Issue of development of Lansdowne in Uttarakhand

श्री अनिल बलूनी (उत्तराखंड)**:** उपसभापति जी, मैं उत्तराखंड के लोकप्रिय हिल स्टेशन लैंसडाउन के विषय को यहां पर रखना चाहता हूं। महोदय, अगर दिल्ली से ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश)**:** सर, एलओपी को बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय राउत (महाराष्ट्र)**:** सर, एलओपी को बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः नहीं, माननीय सदस्यगण, यह ज़ीरो ऑवर है। ज़ीरो ऑवर में आप जो कुछ भी बोलेंगे, वह नहीं जाएगा। जो वक्ता हैं, केवल उनकी ही बात जाएगी। प्लीज़, आप बोलिए।

श्री दिग्विजय सिंहः *

श्री संजय राउतः *

* Not recorded